No. of Printed Pages : 4

BSKC–105

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत
(बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2026

बी.एस.के.सी.-105 : लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं।*

*(ii) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : $3 \times 10 = 30$

(क) नारीणां पुरुषाणां च निर्मर्यादो यदा ध्वनिः।

सुव्यक्तं प्रभवामीति मूले दैवेन ताडितम्॥

अथवा

वनगमननिवृत्तिः पार्थिवस्यैव ताव-

न्मम पितृपरवत्ता बालभावः स एव।

नवनृपतिविमर्शे नास्ति शङ्का प्रजाना–

मथ च न परिभोगैर्वञ्चिता भ्रातरो मे॥

(ख) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां

यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिव तत्।

प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखां नयनयो –

र्न मे दूरे किञ्चित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात्॥

अथवा

तत्साधुकृतसन्धानं प्रतिसंहर सायकम्।

आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि॥

(ग) अप्राग्नेन च कातरेण च गुणः स्याद्भक्तेन कः

प्रज्ञाविक्रमशालिनोऽपि हि भवेत्किं भक्तिहीनात्फलम्।

प्रज्ञाविक्रमभक्तयः समुदिता येषां गुणा भूतये

ते भृत्या नृपतेः कलत्रमितरे संपत्सु चापत्सु च॥

अथवा

स्वयमाहृत्य भुञ्जाना बलिनोऽपि स्वभावतः।

गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायः सीदन्ति दुःखिताः॥

खण्ड —ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. रूपक के चार भेदों का लक्षण उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। 5

3. किन्हीं **दो** प्रमुख नाटककारों और उनके नाटकों का वर्णन कीजिए। 5

4. प्रतिमानाटक के नामकरण की सार्थकता को परिभाषित कीजिए। 5

5. प्रवेशक, अपवादित और विदूषक का वर्णन कीजिए। 5

6. कालिदास की शैली की विशेषताओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। 5

खण्ड —ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के चतुर्थ अंक की विशेषता लिखिए। 10

8. 'प्रतिमानाटकम्' के द्वितीय अंक का सारांश लिखिए। 10

9. 'मुद्राराक्षस' नाटक की कथा का सार लिखिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $3\times5=15$

(क) नायक

(ख) विदूषक

(ग) पूर्वरंग

(घ) जनान्तिक

× × × × ×